RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 24 दिसंबर 2024 वर्ष 06 अंक 251 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

मुंबई : हादसे के बाद समुद्र में आवाजाही के नियमों पर को लेकर उठ रहे सवाल...

Page - 2

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

नवगठित महायुति सरकार के मंत्रिमंडल में

विभाग बंटने के बाद भी छिड़ेगी रार...

मुंबईः महाराष्ट्र की नवगठित महायुति सरकार के मंत्रिमंडल में शनिवार को विभागों का बंटवारा कर दिया गया। कई सीनियर मंत्री हैं जिन्हें अच्छे विभाग नहीं मिले हैं। ऐसे में वे अपने जिले के संरक्षक मंत्री का पद पाने की उम्मीद कर रहे हैं। इन जिलों में छत्रपति संभाजीनगर, बीड, रायगढ़, नासिक और सतारा जिलों का संरक्षक मंत्री पद पाने के लिए संबंधित मंत्रियों के जिलों में आपा-धापी मची हुई है।

बीड और रायगढ़ की स्थिति सूत्रों के अनुसार, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ठाणे जिले के पालक मंत्री होंगे, जबकि अजित पवार पुणे जिले के पालक मंत्री होंगे। बीड में भाई-बहन की जोड़ी धनंजय मुंडे और पंकजा मुंडे मंत्री पद पाने में कामयाब हो गए हैं। धनंजय मुंडे को मंत्री पद मिलेगा या नहीं, इस पर सवालिया निशान था, क्योंकि विपक्ष ने उन पर मस्जोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या का आरोप लगाया है।

अंतिम समय में उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने उन पर भरोसा जताया। अब धनंजय मुंडे बीड के पालक मंत्री पद को पाने पर जोर दे रहे हैं। पंकजा मुंडे भी बीड की पालक मंत्री बनने की इच्छुक हैं। रायगढ़ में भरत गोगावले ने रायगढ़ के पालक मंत्री पद का दावा किया है और महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे भी एक बार फिर रायगढ़ की पालक मंत्री बनने की इच्छुक हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके उपमुख्यमंत्री के सामने सवाल यह है कि इस दुविधा को कैसे सुलझाया जाए। शिवसेना शिंदे गुट के मंत्री संजय शिरसाट ने छत्रपति संभाजीनगर में पालकमंत्री पद का दावा किया है।

भिड़ेगी बीजेपी-एनसीपी?

बीजेपी-एनसीपी में छिड़ेगी जंग...

भाजपा नेता और ओबीसी कल्याण मंत्री अतुल सावे ने भी छत्रपति संभाजीनगर के पालकमंत्री पद का दावा किया है। भाजपा और एनसीपी के बीच जुबानी जंग छिड़ सकती है। पुणे जिले के पालकमंत्री का पद सबसे ज्यादा चर्चा में है। महायुति में भाजपा और एनसीपी अजित पवार गुट के बीच एक बार फिर जुबानी जंग छिड़ सकती है, क्योंकि इस बात की प्रबल संभावना है कि दो दिग्गज उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उच्च तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल एक बार फिर पुणे के पालकमंत्री पद के लिए आमने-सामने होंगे।

फडणवीस ने शिंदे पर किया काला जादू!

संजय राउत ने बताई पूर्व सीएम के बार-बार बीमार पड़ने की वजह...

मुंबईः शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने एकनाथ शिंदे के बीमारी पर चिंता जताई। उन्होंने सोमवार को महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे राजनीतिक सत्ता के लिए साथ आए हैं, न कि वैचारिक समानताओं के कारण। उन्होंने यह भी कहा कि वे अपनी पार्टी की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं और फिर सरकार बनाने के लिए साथ आते हैं।

राउत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संवाददाताओं से कहा, ''गठबंधन सरकार में शामिल लोग चाहे जितना भी कहें कि वे वैचारिक कारणों से साथ आए हैं, ऐसा नहीं है। वे राजनीतिक सत्ता के लिए साथ आए हैं। वे अपनी पार्टी की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं और फिर सरकार बनाने के लिए साथ आते हैं।'' अभिभावक मंत्री पद के आवंटन के बारे में चल रही चर्चा पर बोलते हुए, शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि यह प्रक्रिया जारी रहेगी, उन्होंने एक महीने पहले सरकार बनाने के बाद भी पोर्टफोलियो आवंटन में देरी की ओर इशारा किया।

विभागों के बंटवारे पर बोले राउत

राउत ने कहा, ''पहले सरकार नहीं बनी और एक बार सरकार बन गई तो एक महीने बाद कल ही विभागों का बंटवारा हुआ। अब पालकमंत्री पद को लेकर चर्चा हो रही है। इससे कुछ नहीं होने वाला यह अंत तक चलता रहेगा'' उन्होंने आगे कहा कि पालकमंत्री की नियुक्ति का कोई फायदा नहीं है क्योंकि वे केवल अपने हितों की पूर्ति करते हैं और यह सत्ता बनाए रखने का एक और तरीका है। उन्होंने एकनाथ शिंदे के गांव जाने के मुद्दे पर कहा कि एकनाश शिंदे बार-बार अचानक से बीमार पड़ जाते है, इसकी उन्हें चिंता होती है। उन्होंने कहा कि फडणवीस ने उन पर कौन-सा जादू किया है और इतना मजबूत आदमी बार-बार कैसे बीमार पड़ सकता है इस पर देखने की जरूरत है।

पालक मंत्री पर बोले संजय राउत

राउत ने मराठी में कहा, ''मुंडे (पंकजा या धनंजय) बीड के पालकमंत्री हो सकते हैं, क्या संतोष देशमुख को न्याय मिलेगा? जो भी परभणी का पालकमंत्री बनेगा, क्या पुलिस हिरासत में मारे गए सोमनाथ सूर्यवंशी को न्याय मिलेगा? जो भी ठाणे का पालकमंत्री बनेगा, क्या कल्याण में मराठी परिवार के साथ हुए अन्याय के खिलाफ उन्हें न्याय मिलेगा? इसका कोई फायदा नहीं है। यह सिर्फ अपने लिए सत्ता बनाए रखने का एक और तरीका है। जो गढ़चिरौली के पालकमंत्री बनते हैं, वे नक्सलवाद को खत्म करने की दिशा में काम नहीं करते। करोड़ों की खनन कंपनियों के लिए मंत्री पद की जरूरत है। यह मेरा आकलन है।''

ठाणे में 1 महिला समेत 8 बांग्लादेशी पकड़ाए,

अवैध रूप से रहने के जुर्म में पुलिस ने किया गिरफ्तार

ठाणेः महाराष्ट्र के ठाणे जिले में अवैध रूप से रहने के बांग्लादेशियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने अवैध रूप से रहने के आरोप में बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने एक महिला समेत आठ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि एक गुप्त सूचना तथा शिकायत के आधार पर शनिवार और रविवार को भिवंडी शहर के काल्हेर और कोनगांव में छापेमारी की गई। इन आठों के पास भारत में रहने के लिए कोई वैध दस्तावेज नहीं थे।

पुलिस ने मामला किया दर्ज

पुलिस ने बताया कि इनमें से तीन कबाड़ बेचने का, दो मजदूर के तौर, एक राजमिस्त्री के तौर पर और एक अन्य प्लंबर के तौर पर काम करता है। अधिकारी ने बताया कि सभी के खिलाफ विदेशी नागरिक अधिनियम तथा भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। आपको बताते चले कि रविवार को दिल्ली में पुलिस की कार्रवाई के चलते 175 अवैध बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया गया था। इसके अलावा रविवार को ही डोंबिवली में भी पुलिस ने बांग्लादेशियों के खिलाफ एक्शन लिया था।

डोंबिवली में भी पुलिस का एक्शन

डोंबिवली पुलिस ने कल्याण के एनजीओ आई फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेश दाखिनकर की सूचना पर कार्रवाई की थी। डोंबिवली की मानपाड़ा पुलिस ने बिना वैध दस्तावेजों के भारत आए और डोंबिवली में रह रहे छह बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला भी शामिल है। पुलिस के अनुसार ये सभी लगभग 15 दिन पहले बांग्लादेश से आए थे और इनमें से कुछ कपड़ा कंपनी में काम कर रहे थे। मानपाड़ा पुलिस ने इन्हें अपनी हिरासत में लेकर बांग्लादेश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि ये लोग फर्जी पहचान पत्रों और दस्तावेजों के सहारे भारत आए और डोंबिवली में रह रहे थे।

जन्मदिन पर मोबाइल फोन खरीदने से मना कर दिया; 15 वर्षीय लड़के ने आत्महत्या कर ली !

सांगली : महाराष्ट्र के सांगली जिले में एक नाबालिग युवक ने आत्महत्या कर ली। 15 वर्षीय लड़के ने इसलिए आत्महत्या कर ली क्योंकि उसकी मां ने उसके जन्मदिन पर उसे मोबाइल फोन खरीदने से मना कर दिया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना शनिवार रात मिराज शहर में हुई। उन्होंने बताया कि विश्वजीत रमेश चमदानवाले ने अपने घर में उस समय फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जब उसकी मां और बहन सो रही थीं।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि विश्वजीत ने दो दिन पहले अपना जन्मदिन मनाया था और अपनी मां से मोबाइल फोन मांगा था। मां ने कुछ आर्थिक समस्याओं के कारण उसे फोन खरीदने से मना कर दिया। अगले दिन लड़के के परिवार ने उसे फंदे से लटका हुआ पाया। अधिकारी ने बताया कि आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज कर ली गई है और इस संबंध में विस्तृत जांच चल रही है।

संपादकीय...

जीएसटी की जटिलता...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की गत सप्ताह आयोजित 55वीं बैठक में कुछ निर्णय लिए गए और कुछ निर्णयों को बाद के लिए टाल दिया गया। कुछ निर्णय और स्पष्टीकरण एक बार फिर अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था की जटिलता को रेखांकित करते हैं। छोटे कर्जदारों को राहत देते हुए परिषद ने यह स्पष्ट किया है कि ऋण शर्तों का पालन नहीं करने पर ऋणदाताओं द्वारा जो जुमार्ना लगाया जाएगा उस पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। इसके अलावा परिषद ने यह अनुशंसा की है कि खास किस्म के फोर्टिफाइड (पोषक तत्त्वों से संवर्धित) चावल पर जीएसटी कम किया जाए और जीन थेरेपी को कर मुक्त किया जाए। इस्तेमाल शुदा यानी पुराने वाहनों की बिक्री पर कर दर को 18 फीसदी कर दिया गया। इनमें इलेक्ट्रिक वाहन भी शामिल हैं।

बहरहाल बीमा पर जीएसटी से संबंधित बहुप्रतीक्षित निर्णय बाद के लिए टाल दिया गया। जो लोग साल में इस समय अपने बीमा प्रीमियम जमा करते हैं उन्हें राहत की उम्मीद थी। दरों को युक्तिसंगत बनाने के लिए बने मंत्री समूह ने भी और समय मांगा है। एक अन्य मंत्री समूह जो क्षतिपूर्ति उपकर की समीक्षा कर रहा है उसकी भी कार्य अवधि बढ़ा दी गई है। यह भी याद करने लायक है कि क्षतिपूर्ति उपकर का संग्रह उस कर्ज को चुकाने के लिए किया जा रहा है जो महामारी के दौरान राज्यों की भरपाई के लिए लिया गया था। ऐसे में यह महत्त्वपूर्ण है कि दोनों मंत्री समूह अपनी अनुशंसाएं यथाशीघ्र दे दें। कर व्यवस्था की स्थिरता के लिए यह आवश्यक है कि जीएसटी परिषद दोनों मंत्री समूहों की अनुशंसाओं पर एक साथ विचार करे ताकि कर ढांचे को सरल बनाया जा सके और कर दरों को राजस्व-तटस्थ स्तर पर ले जाया जा सके। यह आसान नहीं होगा और इसके लिए जीएसटी परिषद को कई बैठकें करनी पड़ सकती हैं। परिषद के लिए यह बेहतर होगा कि हम विशेषज्ञों को साथ लें और सभी संभावित कमियों को दूर करें।

शनिवार को जारी किया गया एक स्पष्टीकरण यह जाहिर करता है कि कर व्यवस्था कितनी जटिल है और क्यों तत्काल बदलावों की आवश्यकता है। यह स्पष्ट किया गया है कि नमक और मसालों से मिश्रित खाने के लिए तैयार (रेडी टु ईट) पॉपकॉर्न पर पांच फीसदी जीएसटी लगता है। परंतु अगर इसे पहले से पैकेट बंद करके लेबल लगा दिया जाए तो इस पर 12 फीसदी कर लगता है। अगर इसमें शक्कर मिला दिया जाए तो यह शुगर कन्फेक्शनरी बन जाता है और इस पर 18 फीसदी कर लगता है। उदाहरण के लिए कैरामेल पॉपकॉर्न।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : हादसे के बाद समुद्र में आवाजाही के नियमों पर को लेकर उठ रहे सवाल

मुंबई : JOC ने गोवा निवासी छह वर्षीय जोहान अशरफ पठान का शव निकाला। यह मुंबई तट पर हादसे का शिकार हुए बोट नील कमल पर लापता होने वाला संभवतः अंतिम व्यक्ति था। इसके बाद खोज और बचाव अभियान बंद कर दिया गया। हालांकि, 15 लोगों की जान लेने वाली यह त्रासदी समुद्र में आवाजाही के नियमों पर गंभीर सवाल उठाती। साथ ही समुद्री समन्वय, पुलिस व्यवस्था और गहरे समुद्र में नौका चलाने वालों के समग्र सुरक्षा उपायों में खामियों को उजागर करती है। यह बोट बुधवार दोपहर करीब 2.30 बजे जब नील कमल गेटवे से एलीफेंटा द्वीप के लिए रवाना हुआ था। यह नाव संचालकों के लिए यह हमेशा की तरह ही काम था। नियमों और रेगुलेशन पर ज्यादा ध्यान दिए बिना, उन्होंने महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड (एमएमबी) की तरफ से अनुमत 80 यात्रियों के बजाय 110 यात्रियों को ले जाने के लिए ओवरबुकिंग कर दी। दोपहर 3.55 बजे जब नाव करंजा के पास पहुंची, तो समुद्री में ट्रायल कर रहे नौसेना के एक जहाज ने नियंत्रण खो दिया। इसके बाद यह नौका से टकरा गया, जिससे नौका पलट गई।

जिस तरह सड़कों पर ट्रैफिक की निगरानी और रेगुलेशन होता है, उसी तरह समुद्र के भी अपने नियम होते हैं। 26/11 के हमलों के बाद, जब आतंक समुद्र के रास्ते मुंबई में घुसा था, कई समुद्री हितधारकों के बीच समन्वय बेहतर हुआ है और पिछले 16 वर्षों में कोई भी समुद्री हमला इसका प्रमाण नहीं है। जबकि भारतीय नौसेना को तटीय और अपतटीय सुरक्षा दोनों की जिम्मेदारी सौंपी गई है, लेकिन समुद्री पुलिस, बंदरगाह ट्रस्ट, राज्य समुद्री बोर्ड और अन्य जैसी अन्य समुद्री एजेंसियों पर इसका अधिकार स्पष्ट नहीं है।

हालांकि इस मामले में भारतीय नौसेना को कुछ कठिन और असुविधाजनक सवालों के जवाब देने की आवश्यकता है। मुंबई के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि घटना के तुरंत बाद जब एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पश्चिमी कमान में नौसेना के अधिकारियों से संपर्क किया तो उन्होंने तुरंत इसकी पुष्टि नहीं की कि यह विमान उनका था। हालांकि वीडियो वायरल होने के कारण इस पर बहस करने की कोई गुंजाइश नहीं है।

मुंबई पुलिस ने शुरू की जांच

बुधवार रात तक स्थानीय पुलिस ने नौसेना की नाव चलाने वाले नाविक के खिलाफ बीएनएस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली थी। मुंबई पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। उसके पास नौसेना के लिए सवालों की एक सूची है जिसका जवाब देना है। इसमें समुद्री ट्रायल्स के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली एसओपी, ऐसे ट्रायल के दौरान कॉमशिंयल चैनलों का यूज और दुर्घटना की जांच के लिए नौसेना की तरफ से गठित बोर्ड ऑफ इंक्वायरी (बीओआई) के निष्कर्ष शामिल हैं। नौसेना ने हमें बताया है कि समुद्री ट्रायल करते समय एसओपी के अनुसार ट्रायल वेसल के साथ एक अन्य वेसल को भी ट्रायल रिकॉर्ड करने के लिए साथ रखना आवश्यक है। जांच से जुड़े एक अन्य अधिकारी ने बताया कि ऐसा नहीं लगता कि यहां ऐसा है, इसलिए हमने नौसेना से एसओपी शेयर करने को कहा है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि नाविक ने नियमों का उल्लंघन किया है या नहीं। पुलिस को एसओपी की जरूरत है ताकि यह पता लगाया जा सके कि आखिर जिम्मेदारी कहां है।

मुंबई : विश्वविद्यालय अधिनियम (एमपीयूए), 2016 में बड़े संशोधन का प्रस्ताव

मुंबई : सरकार ने महाराष्ट्र सार्वजनिक विश्वविद्यालय अधिनियम (एमपीयूए), 2016 में बड़े संशोधन का प्रस्ताव दिया है, जिससे जिले की सीमाओं के पार निजी कॉलेजों को क्लस्टर विश्वविद्यालय बनाने की अनुमति मिल जाएगी। इस आशय का एक विधेयक राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन विधानसभा में पेश किया गया था। विधेयक पर विधानसभा के अगले सत्र में चर्चा की जाएगी, जिसके बाद इसे विधान परिषद में पेश किया जाएगा।

इससे पहले, केवल एक ही ट्रस्ट या सोसायटी द्वारा प्रबंधित और एक ही जिले में स्थित सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों को क्लस्टर विश्वविद्यालय बनाने की अनुमति थी। इस साल अक्टूबर में जारी एक अध्यादेश ने सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों को क्लस्टर विश्वविद्यालय के अनिवार्य घटक के रूप में आवश्यकता को हटा दिया, हालांकि उन्हें एक ही जिले में स्थित होना था। प्रस्तावित संशोधन अध्यादेश के माध्यम से पेश किए गए परिवर्तन को औपचारिक रूप देने और बढ़ाने का प्रयास करते हैं। संशोधनों में महाराष्ट्र के क्लस्टर विश्वविद्यालय ढांचे को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों के साथ संरेखित करने का भी प्रयास किया गया है, जो निजी संस्थानों को क्लस्टर विश्वविद्यालय स्थापित करने की अनुमति देते हैं।

एनईपी में खंडित उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) को बहु-विषयक क्लस्टर या स्व-शासित डिग्री देने वाली संस्थाओं में बदलने की परिकल्पना की गई है, ताकि क्रॉस-डिसिप्लिनरी रिसर्च को प्रोत्साहित किया जा सके और संसाधनों का अनुकूलन किया जा सके। 2022 के यूजीसी दिशा-निर्देश सरकारी और निजी दोनों कॉलेजों को क्लस्टर बनाने की अनुमति देकर इस मॉडल का और समर्थन करते हैं, भले ही वे अभी भी मूल विश्वविद्यालयों से संबद्ध हों।

पुणे नगर निगम द्वारा संचालित पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम में बाधा

पुणे: पुणे नगर निगम की सीमा में 34 गाँवों के विलय से सिविक डॉग पाउंड में केनेल की कमी हो गई है। अधिकारियों ने कहा कि केनेल की यह कमी शहर में पुणे नगर निगम द्वारा संचालित पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम में बाधा डाल रही है। मई 2023 में, पीएमसी ने शहर में आवारा कुत्तों की जनगणना की, जिसमें अनुमान लगाया गया कि कुत्तों की आबादी 2018 में 3,15,000 से घटकर 2023 में 1,79,940 आवारा कुत्ते रह गई है। जनगणना के दौरान, सभी 34 नए विलय किए गए गाँव पीएमसी का हिस्सा नहीं थे। हालाँकि, इन 34 गाँवों में शायद ही कोई एबीसी कार्यक्रम आयोजित किया गया हो, जहाँ अकेले 1 लाख से अधिक आवारा कुत्तों की आबादी है। एबीसी कार्यक्रम के तहत, आवारा कुत्तों की नसबंदी की जाती है और उनका टीकाकरण किया जाता है। पीएमसी के पशु चिकित्सा विभाग ने एबीसी कार्यक्रम के लिए निजी एजेंसियों को नियुक्त किया है। नागरिक निकाय के पास चार डॉग पाउंड हैं- बानर, नायडू अस्पताल और मुंधवा में दो, जिनकी क्षमता केवल 474 केनेल की है। हालांकि, यह क्षमता पर्याप्त नहीं है और अधिकांश समय यह पूरी तरह से भरी रहती है, जिससे एबीसी कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न होती है।

पीएमसी की मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सारिका फुंडे-भोसले ने बताया कि शहर में एबीसी कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन लगभग 150 से 200 आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण किया जाता है। हालांकि, नसबंदी के बाद इन कुत्तों को कम से कम पांच दिनों के लिए केनेल में रखना पड़ता है, धीमी रिकवरी के मामले में समय अतिरिक्त दो से तीन दिनों तक बढ़ जाता है।' नगर निगम के पास तीन-चार केनेल हैं, जहां आवारा कुत्तों को नसबंदी और टीकाकरण के लिए ले जाया जाता है। इन सभी आवारा कुत्तों को कम से कम पांच दिनों तक निगरानी में रखना पड़ता है, और रिकवरी के आधार पर अधिक दिनों तक निगरानी में रखना पड़ता है। अगर आवारा कुत्ते अस्वस्थ, घायल या प्रक्रियाओं के लिए अनुपयुक्त हैं, तो उनका नसबंदी नहीं किया जा सकता है, जिससे उनके रहने का समय बढ़ जाता है।

शिवाजी नगर में कबाड़ की दुकान चलाने वाले दो भाइ ओला कैब चालक की हत्या के आरोप में गिरफ्तार

मुंबई : शिवाजी नगर में कबाड़ की दुकान चलाने वाले दो भाइयों को रविवार की सुबह एक ओला कैब चालक की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया, जो उनकी दुकान के पास ही अपनी गाड़ी पार्क करता था। पुलिस ने बताया कि दोनों भाइयों ने मृतक के घर में घुसकर उसके सिर, छाती, पेट और जांघ पर कई बार चाकू से वार किया, क्योंकि उसकी कार उनके स्कूटर से टकरा गई थी, जिससे स्कूटर पलट गया और पास में खड़ी उनकी मां घायल हो गई। मोहम्मद रफीक शरीफ अब्बास अली शेख (ऊपर) और उसके छोटे भाई ने कैब चालक पर हमला किया।

पुलिस के अनुसार, मृतक 38 वर्षीय आदिल तालीम खान अपनी दूसरी पत्नी के साथ शिवाजी नगर में रहता था; उसकी पहली पत्नी, जिससे वह अलग हो गया था, और उनकी 15 वर्षीय बेटी पास में ही रहती है। आरोपी - मोहम्मद रफीक शरीफ अब्बास अली शेख उर्फ पापा, 35, और उसका छोटा भाई अब्दुल करीम शेख उर्फ दादू, 30 - भी शिवाजी नगर में रहते हैं और प्लॉट नंबर 31 पर कबाड़ की दुकान चलाते हैं। शनिवार को, दोपहर करीब 2 बजे, जब खान अपने घर के पीछे और आरोपी की कबाड़ की दुकान के बगल में पार्किंग स्थल से अपना वाहन निकाल रहा था, तो वह उनके स्कूटर से टकरा गया।

सहार पुलिस ने ऑटोरिक्शा चालक को 19 वर्षीय छात्र से 3,500 रुपये की जबरन वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया...

मुंबई : मुंबई सहार पुलिस ने एक ऑटोरिक्शा चालक को 19 वर्षीय छात्र से 3,500 रुपये की जबरन वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया, जो अमेरिका से आया था, जबकि मीटर ने यात्रा के लिए 106 रुपये किराया दिखाया था। ऑटोरिक्शा और टैक्सी यूनियनों ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया और नई दिल्ली में वाहनों में लगाए जाने वाले जीपीएस उपकरणों की बढ़ती कीमतों और किराए में वृद्धि की मांग की। छात्र विश्वजीत पाटिल, जो मूल रूप से सांगली का रहने वाला है, 14 दिसंबर को छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा और अपने गृहनगर जाने के लिए दादर रेलवे स्टेशन के लिए ऑटो लिया, उसे नहीं पता था कि बांद्रा से आगे ऑटो प्रतिबंधित हैं।

ऑटो चालक, जिसकी पहचान 26 वर्षीय रितेश कदम के रूप में हुई, शिकायतकर्ता को चेंबूर हाईवे पर ले गया और एक बस स्टॉप के पास ऑटो रोक दिया, जहाँ बाहरी बसें रुकती हैं, जहाँ उसे अत्यधिक राशि का भुगतान करने के लिए मजबूर किया गया। पुलिस के अनुसार, गुरुवार को उन्हें किशोर से एक ईमेल मिला जिसमें घटना का विवरण था। उसने मेल में बताया कि कैसे ऑटो चालक ने उसे ऑनलाइन ऐप के माध्यम से 3,500 रुपये ट्रांसफर करने के लिए कहा, जबकि मीटर में 106 रुपये दिखाए जा रहे थे। जब किशोर ने मना किया, तो चालक ने धमकी दी कि उसने कुछ लोगों को बुलाया है ताकि वे आकर उस पर हमला करें। डरे हुए 19 वर्षीय युवक ने पैसे ट्रांसफर किए और सांगली जाने वाली बस में बैठ गया।

सहार पुलिस ने ऑटो का पता लगाया और चालक को गिरफ्तार कर लिया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''छात्र के बयान और नंबर प्लेट के आधार पर, हमने ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया। ऐसी घटनाएं होती हैं, लेकिन अक्सर रिपोर्ट नहीं की जाती हैं।' ''मैं कई वर्षों के बाद भारत आया था और मुझे इस दुखद स्थिति से गुजरना पड़ा,' किशोर ने घटना के बारे में विस्तार से बताए बिना कहा। प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में आईआईटी दिल्ली सर्टिफिकेट प्रोग्राम आवश्यक पद्धतियों और उपकरणों में आपके कौशल और ज्ञान को बढ़ाता है। इस अवसर का अभी लाभ उठाएं। आईआईटी दिल्ली के सर्टिफिकेट प्रोग्राम के साथ प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में महारत हासिल करें। उद्योग डेटा प्रोजेक्ट मैनेजमेंट डोमेन में बदलाव की हवाओं का एक स्पष्ट संकेतक है। डेलोइट1 में एक रिपोर्ट जिसका शीर्षक हैः प्रोजेक्ट मैनेजमेंट किसी संगठन का परिणाम इंजन कैसे बन सकता है, में उल्लेख किया गया है कि कैसे ''प्रोजेक्ट मैनेजमेंट किसी प्रोजेक्ट को ट्रैक करने और अपडेट की रिपोर्टिंग से कहीं अधिक है। जब सही तरीके से किया जाता है, तो प्रोजेक्ट मैनेजमेंट किसी संगठन का परिणाम इंजन बन जाता है।

मुंबई : भांजे की शादी में उद्धव और राज ठाकरे एक साथ आए नजर

मुंबई : महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे की सगी बहन जैजयवंती देशपांडे के बेटे यश की शादी में शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक साथ दिखाई दिए। दोनों के बीच बात भी हुई। हाल के विधानसभा चुनाव में पहली बार चुनाव लड़े राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे को उद्धव ठाकरे के उम्मीदवार ने हरा दिया था। चुनाव के दौरान राज ठाकरे ने उद्धव पर कई टिप्पणियां भी की थीं। रविवार को भांजे की शादी में दोनों मामाओं (राज और उद्धव) के बीच कोई कटुता नजर नहीं आई। पारिवारिक माहौल में दोनों ही खुश नजर आए। शादी के मौके पर रश्मि ठाकरे (उद्धव ठाकरे की पत्नी) और राज ठाकरे ने बातचीत भी की।

ठाकरे परिवार था मौजूद

शादी का समारोह दादर के राजे शिवाजी विद्यालय में आयोजित किया गया था। यहां उद्धव और राज ठाकरे दोनों ही जोड़े को आशीर्वाद देने के लिए पहुंचे। उद्धव ठाकरे सपरिवार समारोह में मौजूद थे, जिसके विडियो और तस्वीरें सामने आई हैं। इसमें राज-उद्धव दोनों नेता एक साथ खड़े होकर नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देते हुए दिखाई दे रहे हैं। शादी में राज ठाकरे भगवा दुपट्टा गले में डाले थे, वहीं उद्धव भगवा कुर्ते में थे।

रश्मि ठाकरे के भाई की शादी में भी पहुंचे थे राज ठाकरे

दिलचस्प बात यह है कि एक हफ्ते पहले ही रश्मि ठाकरे के भाई श्रीधर पाटनकर के बेटे शौनक पाटनकर की शादी का रिसेप्शन बांद्रा पश्चिम के ताज लैंड्स एंड में रखा गया था। उसमें राज ठाकरे भी शामिल हुए थे। लेकिन उस शादी में राज और उद्धव एक ही समय पर न पहुंच पाने के कारण दोनों की मुलाकात नहीं हो पाई थी। परंतु रश्मि ठाकरे और राज ठाकरे के बीच काफी देर तक चर्चा हुई थी। पारिवारिक रूप से राज और उद्धव के एक साथ दिखाई देने के बाद दोनों के राजनीतिक मिलन की पुरानी चचाओं ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। हाल के विधानसभा चुनावों में राज ठाकरे ने 128 उम्मीदवार खड़े किए थे, लेकिन उनकी पार्टी का एक भी उम्मीदवार चुनाव नहीं जीत पाया। वहीं उद्धव ठाकरे ने 95 उम्मीदवार खडे किए थे, जिनमें से सिर्फ 20 जीते। ऐसे में महाराष्ट्र में 'ब्रांड ठाकरे' के अस्तित्व पर ही सवाल उठने लगे हैं। आगामी चुनाव मुंबई महानगरपालिका का है, जिसमें 'ब्रांड ठाकरे' को बचाने के लिए दोनों भाइयों के एक साथ आने की अपेक्षनुमा चचाएं फिर से शुरू हो गई हैं।

मुंबई : 16 वर्षीय लड़की से ऑटो रिक्शा चालक द्वारा छेड़छाड़ और अपहरण का मामला दर्ज

मुंबई : मुंबई एक 16 वर्षीय लड़की, जिसे कथित तौर पर एक ऑटो रिक्शा चालक द्वारा छेड़छाड़ और अपहरण किया जा रहा था चलती ऑटो से कूदकर भाग गई। रिक्शा चालक भाग गया, लेकिन पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज के जरिए उसकी पहचान कर ली और उसका वाहन जब्त कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश कर रही है। 16 वर्षीय लड़की चलती ऑटो से कूदकर अपहरण से बच गई पुलिस के अनुसार, लड़की और उसकी माँ क्रिसमस की खरीदारी करने के लिए शनिवार को वसई में अपने घर से निकली थीं। शाम 6 बजे, दोनों अलग हो गईं क्योंकि माँ को कुछ काम निपटाने थे। उसने लड़की से कहा कि वह खुद ही घर चली जाए। किशोरी

वसई रेलवे स्टेशन से निकली, जहाँ से उसका घर 20 मिनट की दूरी पर था। उसने एक ऑटो रिक्शा लिया और चालक से मुख्य सड़क से जाने का अनुरोध किया। शाम 6.10 बजे के बाद उसने कथित तौर पर गलत मोड़ लिया और पीछे की सड़क पर चला गया। उसने आपत्ति जताई लेकिन उसने कहा कि वह पास के गैरेज में जा रहा है क्योंकि उसके वाहन में कुछ समस्या थी। उसने बीच में ही गाड़ी रोक दी और अपने ऑटो में कुछ चेक करने का नाटक किया।

फिर वह पीछे की सीट पर गया और लड़की को गलत तरीके से छूने लगा।

जब वह चिल्लाई, तो उसने बलात्कार करने और जान से मारने की धमकी देकर उसे चुप करा दिया। मानिकपुर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा, ''ड्राइवर ने उसे चुपचाप बैठने के लिए कहा और ऑटो स्टार्ट कर दिया। इस बार वह एक अंधेरी गली में चला गया। जैसे ही उसने गाड़ी तेज की, लड़की ऑटो से कूद गई।' राहगीरों ने उसे गिरते हुए देखा और जल्द ही उसके चारों ओर भीड़ जमा हो गई। यह देखकर ड्राइवर भाग गया। उसने भीड़ में से एक व्यक्ति के फोन का इस्तेमाल करके अपनी माँ को घटना के बारे में बताया। इसके बाद लड़की और उसकी माँ शिकायत दर्ज कराने के लिए वसई के मानिकपुर स्टेशन गईं।

महायुति के मंत्री संरक्षक मंत्री पद के लिए होड़...

मुंबई : मुंबई विभागों के लिए होड़ के बाद, महायुति सरकार के मंत्री संरक्षक मंत्री पद हासिल करने की होड़ में हैं। संरक्षक मंत्री का नियंत्रण जिला योजना और विकास निधि के आवंटन पर होता है और जिस जिले का वह संरक्षक मंत्री बनता है, उसके प्रशासन में उसकी भूमिका होती है।- अब महायुति के मंत्री संरक्षक मंत्री पद के लिए होड़ में हैं शिवसेना के ईजीएस मंत्री भरत गोगावले रायगढ़ के संरक्षक मंत्री बनने के इच्छुक हैं। पिछली सरकार में, वे महिला एवं बाल कल्याण मंत्री अदिति तटकरे को इस जिले का संरक्षक मंत्री बनाने के खिलाफ थे। गोगावले ने मीडिया को बताया कि उन्होंने रायगढ़ के संरक्षक मंत्री पद के लिए सीएम देवेंद्र फडणवीस से

बात की थी, और उन्होंने कहा कि तटकरे को यह पद नहीं मिलेगा। तटकरे एनसीपी से हैं, और गोगावले के उनके पिता सुनील तटकरे, जो राज्य एनसीपी के प्रमुख हैं, के साथ लंबे समय से मतभेद हैं।

सतारा में पर्यटन मंत्री शंभुराज देसाई (शिवसेना), ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे (भाजपा), राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद पाटिल (राकांपा) और पीडब्ल्यूडी मंत्री शिवेंद्र भोसले (भाजपा) के बीच मुकाबला है। नासिक में कृषि मंत्री माणिक कोकाटे (राकांपा), शिक्षा मंत्री दादा भुसे (शिवसेना) और एफडीए मंत्री नरहरि जिरवाल (राकांपा) संरक्षक मंत्री पद के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। मराठवाड़ा के बीड जिले में मुंडे के दो चचेरे भाई-पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे (भाजपा) और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री धनंजय मुंडे (राकांपा) इस पद के लिए होड़ में हैं, जबकि छत्रपति संभाजी नगर में ओबीसी मंत्री अतुल सावे (भाजपा) और समाज कल्याण मंत्री संजय शिरसाट (शिवसेना) के बीच मुकाबला है।

मुंबई : बस बनी आग का गोला, ड्राइवर की सूझबूझ से बची यात्रियों की जान...

मुंबई : आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बड़ा हादसा हो गया। राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार को बालसमुंद बैरियर के पास एक बस अचानक आग का गोला बन गई। जानकारी के अनुसार यह बस मुंबई से इंदौर जा रही थी। इस हादसे में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। जानकारी के अनुसार चलती बस में डिस्क ब्रेक लगाने के दौरान अचानक आग लगी। बस में पीछे से धुआं उठता देख ड्राइवर ने बस को धीमा किया और सड़क किनारे खड़ा कर दिया।

इस दौरान यात्रियों के बीच अफरा तफरी का माहौल बन गया। कुछ यात्रियों ने बस से उतर कर तो कुछ यात्रियों ने खिड़की से कूदकर जान बचाई। चालक और कंडक्टर ने बस के अंदर से यात्रियों को सकुशल बाहर निकाला। घटना की जानकारी होते ही मौके पर पुलिस पहुंची और फायर फायटर की मदद से आग पर काबू पाया गया। पुलिस के अनुसार इस घटना में किसी भी जनहानि की सूचना नहीं है। यात्रियों को दूसरी बस से रवाना किया गया है। मुंबई से इंदौर आ रही हंस ट्रेवेल की बस में अचानक आग लग गई। पहले बस के पिछले हिस्से से धुआं निकलना शुरू हुआ। बस के पिछले हिस्से से धुआं निकलता देख बस के चालक ने तत्परता दिखाई। इसके बाद बस को सड़क किनारे रोका गया और यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया।

कल्याण में अखिलेश शुक्ला की पत्नी सहित तीन और लोग गिरफ्तार किया...

मुंबई : कल्याण में खड़कपाड़ा पुलिस ने योगीधाम में अपनी बिल्डिंग अजमेरा हाइट्स में एक मराठी परिवार पर कथित तौर पर हमले के सिलसिले में महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के कर्मचारी अखिलेश शुक्ला की पत्नी सहित तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। आरटीओ ने एम्बर बीकन लगाने के लिए शुक्ला की निजी कार को भी जब्त कर लिया। डिप्टी आरटीओ अधिकारी आशुतोष बरकुल ने कहा, ''बिना अनुमति के बीकन का इस्तेमाल करने के लिए उन पर 9,500 रुपये का जुमार्ना लगाया गया।' ''उनके वाहन का न तो वैध बीमा था और न ही पीयूसी प्रमाणपत्र और साथ ही उस पर 'महाराष्ट्र सरकार' लिखी एक अनधिकृत प्लेट भी थी।'

पुलिस के अनुसार, 18 दिसंबर को, शुक्ला का अपने मराठी पड़ोसियों कलविकट्टेस के साथ गरमागरम झगड़ा हुआ था, जो कि फ्लोर के लिफ्ट पैसेज एरिया में अगरबत्ती जलाने को लेकर हुआ था। बाद में एक हिंसक हमला हुआ, जिसमें शुक्ला ने कथित तौर पर महाराष्ट्रीयनों सहित और लोगों को कलविकट्टे की पिटाई करने के लिए बुलाया। उनकी पत्नी गीता और दो अन्य-पार्थ और विवेक जाधव-को गिरफ्तार कर लिया गया और शुक्ला और उनके साथियों सहित तीन अन्य लोगों के साथ अदालत में पेश किया गया। अब तक छह गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं और सभी को 26 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। झगड़ा तब शुरू हुआ जब कलविकट्टे ने अगरबत्ती के धुएं को अपने फ्लैट में घुसने से रोकने के लिए शुक्ला से कहा कि वे अगरबत्ती को अपने घर के अंदर रख दें। इसके बाद अखिलेश शुक्ला ने कथित तौर पर टिप्पणी की कि मराठी लोग गंदे होते हैं, क्योंकि वे मांस और समुद्री भोजन खाते हैं। देशमुख परिवार, जो उसी मंजिल पर रहता है, ने तब हस्तक्षेप किया। इसके बाद, शुक्ला ने कथित तौर पर कहीं और से आठ से दस लोगों को बुलाया और देशमुख और कलविकट्टे के दरवाजे खटखटाए। इससे कथित तौर पर एक हिंसक लड़ाई हुई, जिसमें अभिजीत देशमुख और उनके भाई धीरज को गंभीर चोटें आईं। घटना के वायरल वीडियो के कारण महाराष्ट्र विधानसभा में मराठी भाषी लोगों के अपमान को लेकर हंगामा मच गया। एफआईआर के अनुसार, शुक्ला ने अपनी पत्नी और अन्य लोगों के साथ मिलकर एक दंपत्ति पर हमला किया, जिन्होंने अगरबत्ती जलाने को लेकर बहस के दौरान उन्हें शांत रहने के लिए कहा था।

हाई कोर्ट ने एक्सिस बैंक डकैती मामले में शामिल चार आरोपियों को बरी करने के फैसले को बरकरार रखा

मुंबई : बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने 2013 के एक्सिस बैंक डकैती मामले में शामिल चार आरोपियों को बरी करने के फैसले को बरकरार रखा, जिसमें 2,36,50,000 रुपये की राशि शामिल थी। पीठ ने जांच अधिकारी की महत्वपूर्ण चूक और अपर्याप्त गवाहों के लिए आलोचना की। मंगलवार, 3 मई, 2016 को भारत के गंगटोक में महात्मा गांधी रोड पर एक्सिस बैंक लिमिटेड की एक शाखा के पास से गुजरते लोग। एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में साल-दर-साल वृद्धि 2016 के पहले तीन महीनों में 7.9 प्रतिशत तक बढ़ गई।

एक्सिस बैंक ने अपने करेंसी चेस्ट से अपनी विभिन्न शाखाओं तक नकदी के परिवहन के लिए सिक्योरिटी ट्रांस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को नियुक्त किया था। 7 मार्च, 2013 को, 2,36,50,000 रुपये की राशि ले जा रही एक कैश वैन को वर्धा के करंजा के पास पुलिस अधिकारी बनकर लोगों ने रोक लिया। लुटेरों ने बंदूक की नोक पर नकदी जब्त की और वैन में बैठे लोगों को तिजोरी में बंद करके भाग गए। जांच के दौरान, वैन के कैश अधिकारी के रूप में पहचाने जाने वाले वसीम शेख को साजिश में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया, उसके बाद उससे पूछताछ के आधार पर और गिरफ्तारियाँ हुईं। 22 आरोपियों पर पहले मुकदमा चलाया गया और 17 अगस्त, 2017 को उन्हें बरी कर दिया गया। बचाव पक्ष के वकील ने जांच में विभिन्न अनियमितताओं के बारे में तर्क दिया, और निष्कर्ष निकाला कि आरोपियों को झूठा फंसाया गया था। उन्होंने वैन के जीपीएस सिस्टम को जब्त करने में जांच अधिकारी की विफलता की ओर इशारा किया। एमिकस क्यूरी अद्वैत मनोहर ने प्रस्तुत किया कि अभियोजन पक्ष स्वतंत्र गवाहों की जांच करने में विफल रहा है, जो मामले के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि साक्ष्य के समग्र अवलोकन से पता चलता है कि पुलिस ने जनता के आक्रोश को रोकने के लिए मामले को गढ़ा और अपीलकताओं पर मुकदमा चलाया।

न्यायमूर्ति जी.ए. सनप की अध्यक्षता वाली अदालत ने सबूतों में प्रमुख विसंगतियों को उजागर करते हुए ''पूर्ण शून्यता' का उल्लेख किया। अदालत ने कहा, ''रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री के विश्लेषण पर, मैं संतुष्ट हूं कि पुलिस ने घटना की उत्पत्ति को दबा दिया है। यह सबसे संदिग्ध परिस्थिति है।' अदालत ने वैन में लोड किए गए पैसे पर संदेह जताया क्योंकि बैंक के प्रेषण रजिस्टर में कथित रूप से लोड की गई कुल नकदी और पंजीकृत संख्या में अंतर था।

सांताक्रूज-चेंबूर लिंक रोड पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 42 वर्षीय बाइक सवार की मौत!

मुंबई : सांताक्रूज-चेंबूर लिंक रोड (एससीएलआर) पर यात्रा करते समय एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 42 वर्षीय बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया है और सीसीटीवी फुटेज के जरिए वाहन की पहचान करने की कोशिश कर रही है। एससीएलआर पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत मृतक की पहचान लक्ष्मीकांत लालबिहारी दुबे के रूप में हुई है, जो अपने परिवार के साथ मानखुर्द के लल्लूभाई कंपाउंड में रहता था। उसके भाई विजयकांत ने बताया कि दुबे एक इलेक्ट्रीशियन था, जो जुहू में पांच साल से एक फाइव स्टार होटल में काम कर रहा था और दुर्घटना के समय वह काम पर जा रहा था।

पुलिस ने बताया कि दुबे सुबह करीब 7.30 बजे काम के लिए घर से निकला था। एससीएलआर पर यात्रा करते समय एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गिर गया। आरोपी चालक ने बाइक नहीं रोकी और भाग गया। राहगीरों ने बाइक सवार को बाइक से कुछ दूरी पर सड़क पर पड़ा हुआ पाया, जिसके बाद उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम को फोन किया। इसके बाद तिलक नगर थाने की एक टीम मौके पर पहुंची और दुबे को राजावाड़ी अस्पताल ले गई, जहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। तिलक नगर थाने के वरिष्ठ निरीक्षक दिलीप माने ने कहा, ''हमने मृतक के मोबाइल फोन से उसके परिवार को फोन किया।' वाहन चालक पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (i) (तेज गति से वाहन चलाने के कारण मौत का कारण बनना) और 281 (तेज गति से वाहन चलाना) के साथ-साथ मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 (खतरनाक गति से वाहन चलाना) और 134 (ए) (बी) (दुर्घटना के बाद आरोपी चालक की ड्यूटी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

21 वर्षीय युवक ने कार पर से नियंत्रण खो दिया; बुजुर्ग व्यक्ति के सिर में चोट

मुंबई : मुंबई रविवार दोपहर को वर्ली में मारुति स्विफ्ट डिजायर कार चला रहे 21 वर्षीय युवक ने कार पर से नियंत्रण खो दिया और कार को बस स्टैंड से टकरा दिया, जिससे एक बुजुर्ग व्यक्ति के सिर में चोट लग गई और 50 वर्षीय व्यक्ति के बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया। दुर्घटना के समय घायल अजय शाह, 62, और मनोज चौधरी, 50, बस स्टैंड पर खड़े थे। दोनों को पहले नायर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन बाद में शाह के परिवार ने उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। कार के चालक को भी सिर में चोट लगी और कंधे की हड्डी उखड़ गई, वह फिलहाल नायर अस्पताल में भर्ती है। वर्ली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे पुलिस निरीक्षक नितिन शिंदे ने कहा, ''कार चालक शुभम बंसोडे, 21, के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया गया है। घटना के समय वह नशे में नहीं था, लेकिन उसने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और बस स्टैंड से जा टकराया।' रविचंद्रन अश्विन ने संन्यास की घोषणा की! शुभम वर्ली के माया नगर इलाके में रहता है और विक्रोली में एक निजी फर्म में काम करता है। वह और उसके तीन अन्य साथी रविवार दोपहर को एक दोस्त की कार लेकर ड्राइव पर निकले। जब वे अटरिया मॉल के पास पहुंचे, तो उसने नियंत्रण खो दिया और बस स्टैंड से जा टकराया। शिंदे ने बताया कि टक्कर में कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com